मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, रविवार, 16 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 333 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ नाग पंचमी के दिन क्यों होती है सांपों की पूजा ?

बॉक्स 'ऑफिस पर आवारापन 2' ने 'बंटवारा 1947' को पछाड़ा ◂◂ 6

लातेहारः डेढ़ टंगवा घाटी में भीषण सड़क हादसा, 7 की मौत, कई घायल

कंटेनर व ऑटो की आमने- सामने हुई टक्कर

संवाददाता

3,लीड

लातेहारः जिले में एक कंटेनर और ऑटो की टक्कर में सात लोगों की मौत की खबर है। यह हादसा चंदवा थाना इलाके में चंदवा-चापी-लोहरदगा रोड पर हुआ।

जानकारी के मुताबिक, दोनों गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हुई, जिसमें ऑटो में सवार सात लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और राहत कार्य कर रही है। लातेहार डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सड़क हादसे में लोगों की मौत की खबर है।

जानकारी के अनुसार, लातेहार सदर थाना इलाके के सासंग गांव के कुछ लोग ऑटो से लोहरदगा जा रहे थे। डेढ़ टंगवा घाटी से गुजरते समय, ऑटो की टक्कर सामने से आ रहे कंटेनर से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो कंटेनर के नीचे दब गया।

बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार लगभग सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को चंदवा अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

लातेहार के डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की मौत हुई है। वहीं घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, साथ ही कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलने पर, झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने घटनास्थल से ही फोन पर प्रशासनिक अधिकारियों को कई जरूरी निर्देश दिए। लगातार हो रहे हादसेः घटना पर आक्रोश जाहिर करते हुए, लातेहार विधायक के चंदवा प्रतिनिधि रवि राज ने कहा कि जिस स्थान पर दुर्घटना हुआ है वह एक ब्लैक स्पॉट बन गया है। यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई करने और इस सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने की अपील की। ??उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने अविलंब और उचित कार्रवाई नहीं की, तो जनता आंदोलन करेगी।

हजारीबाग : तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, पिता - पुत्री की मौत, पत्नी घायल

हजारीबागः जिले के केरेडारी-बड़कागांव मुख्य मार्ग पर देशवारी के समीप कल देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी एक वर्षीय बेटी की मौत हो गई। हादसे में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतकों की पहचान केरेडारी थाना क्षेत्र के बेलतू निवासी मो आसीन और उनकी एक वर्षीय पुत्री के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार मो आसीन अपनी पत्नी और छोटी बेटी के साथ बाइक से अपने ससुराल जाको की ओर जा रहे थे। इसी दौरान देशवारी के पास बड़कागांव की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा गिरी। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने तीनों घायलों को तत्काल केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद मो आसीन और उनकी मासूम बेटी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग रेफर किया गया।

शव सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शनः हादसे की खबर मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण आक्रोशित हो गए। देर रात केरेडारी चौक के पास पिता और बेटी के शव को सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीणों ने फरार वाहन और चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है और तेज रफ्तार वाहनों के कारण सड़क सुरक्षा को लेकर पहले से ही चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने मांग की कि हादसे में शामिल वाहन की पहचान कर चालक को गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

रात में प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत कर जाम हटाने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। सुबह प्रदर्शन का स्थान बदलकर कड़वे बसारिया मोड़ कर दिया गया, जहां ग्रामीणों ने फिर सड़क जाम कर दी।

ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हादसे में शामिल वाहन और चालक की पहचान कर कार्रवाई नहीं की जाती और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं मिलता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। हादसे के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन प्रभावित रहा।

लोहरदगा : सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत, दो स्कूटी की टक्कर में हुई दुर्घटना, दो जिलों में 24 घंटे में 9 लोगों की मौत

लोहरदगा : 22 वर्ष का सोनू उरांव, 21 वर्ष का उदय उरांव , 19 वर्ष का मनीष लोहरा तीनों आदिवासी दोस्त जश्न ए आजादी पर आयोजित फुटबॉल के रोमांच से लबरेज स्कूटी पर घर लौट रहे थे कि अचानक टक्कर हुई और बुझ गए तीन घरों के चिराग । झारखंड में आजादी के 80वें वर्षगांठ पर लोहरदगा और लातेहार में दो हादसों में नौ लोगों की जान चली गई । भंडरा-लोहरदगा मुख्य पथ पर हुए शनिवार देर शाम दर्दनाक हादसे ने तीन घरों का चिराग बुझा दिया।

स्वर्णरेखा नदी से युवती का शव बरामद गला घोंटकर हत्या की आशंका

रांचीः अनगड़ा पुलिस ने रविवार को साल्हन स्थित स्वर्णरेखा नदी से एक युवती का शव बरामद किया गया है। मृतका की उम्र करीब 20-25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार शव मिलने पर प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। आशंका है कि युवती की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की गई है। मृतका ने सलवार-कुर्ता पहन रखा था। घटनास्थल से पुलिस ने एक की-पैड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

पुलिस जांच में जुटीः पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल और अन्य सुरागों के आधार पर युवती की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

टीएमसी ऑफिस में फंदे से लटका मिला बंगाल के पूर्व डिप्टी स्पीकर का शव

सुसाइड नोट में लिखा- भ्रष्टाचार नहीं किया, मुझे बदनाम करने की कोशिश

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह बीरभूम जिले के टीएमसी ऑफिस में उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला।

आशीष बनर्जी रामपुरहाट के वार्ड नंबर-5 के हत्तलापारा इलाके में रहते थे। उनके घर के पास ही तृणमूल कांग्रेस का पार्टी ऑफिस था।

पुलिस के मुताबिक, 16 अगस्त की सुबह कार्यालय से एक सुसाइड नोट भी

मिला। जिसमें लिखा कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया, उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई।

आशीष बनर्जी टीएमसी के पूर्व विधायक भी थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यह विजुअल बीरभूम टीएमसी ऑफिस का है, जहां आशीष बनर्जी ने पंखे से फांसी का फंदा बनाकर सुसाइड किया।

यह विजुअल बीरभूम टीएमसी ऑफिस का है, जहां आशीष बनर्जी ने पंखे से फांसी का फंदा बनाकर सुसाइड किया।

सुसाइड नोट में रेत टेंडर का जिक्र, लिखा- कोई पैसे नहीं लिएः आशीष का जो सुसाइड नोट सामने आया है उसमें उन्होंने किसी रेत के टेंडर का जिक्र किया है। आशीष ने लिखा कि उन्होंने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया और किसी काम के बदले पैसे नहीं लिए। टीआरडीए(तारापीठ-रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के टेंडर, प्लान पास करने, एनओसी और चेक से जुड़े मामलों में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

आशीष ने लिखा कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस जताया।

गाय को चारा खिलाया और मोर को दाना,इंस्टा पर पीएम ने शेयर किया नया वीडियो

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह के खास पल को शेयर किया है। पीएम मोदी अपने आवास पर गायों को चारा और मोर को दाना खिलाने के बाद लालकिले के लिए निकले थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार दोपहर को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे अपने सरकारी आवास पर मोरों और पुंगनूर गायों के साथ नजर आए। उन्हें 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रखी देसी और छोटे आकार की गायों को खाना खिलाते और प्यार से सहलाते हुए देखा गया। फिर अपने हाथों से मोरों को दाने खिलाए।

उन्होंने बताया कि गायों और मोरों को शायद यह एहसास हो गया था कि वे लाल किले पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए जल्दी निकलेंगे। इसलिए, राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए रवाना होने से पहले ही वे उनसे मिलने आ गए। पीएम ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हर सुबह अपने ह्यदोस्तों को खाना खिलाना मेरी दैनिक दिनचर्या है। कल सुबह (15 अगस्त को), उन्हें किसी तरह एहसास हो गया कि मैं जल्दी निकल रहा हूं, इसलिए जब मैं लाल किले के लिए निकल रहा था, तो वे मुझसे मिलने आ गए। हमेशा की तरह यह खास रहा।

न बैठने की जगह, न पीने लायक पानी, सीएजी रिपोर्ट का दावा-

हावड़ा समेत देश के 458 रेलवे स्टेशन सुविधाविहीन

रेलवे के पानी में मिला मल वाला बैक्टीरिया

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है और रोजाना करोड़ों यात्री इसमें सफर करते हैं। सफर के दौरान प्यास लगने पर रेलवे स्टेशनों पर लगे वाटर कूलर का पानी पीना एक आम बात है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो पानी आप पी रहे हैं, वह आपके स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक हो सकता है? नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा किया है, जिसे जानकर आप रेलवे स्टेशन का पानी पीने से पहले सौ बार सोचेंगे। 12 अगस्त को संसद में पेश की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, देश के कई बड़े स्टेशनों पर पीने के पानी में इंसान के मल में पाया जाने वाला खतरनाक ई.कोलाई बैक्टीरिया मिला है। इस खुलासे ने रेलवे के स्वच्छता दावों की पोल खोलकर रख दी है।

इन प्रमुख स्टेशनों के पानी में मिला बैक्टीरियाः सीएजी की ओर से भारतीय रेलवे में गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं और स्वच्छता शीर्षक वाली रिपोर्ट में रेलवे की घोर लापरवाही को उजागर किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दक्षिणी रेलवे के कोयंबटूर और पलक्कड़, दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद, मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), भिवंडी रोड, कल्याण और लोनावला के साथ-साथ पूर्वी रेलवे के मधुपुर स्टेशन के वाटर कूलर से पानी के नमूने लिए गए थे। इन सभी जगहों के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। चिंता की बात यह है कि साल 2022-23 के दौरान आठ जोन के करीब 49 और 2023-24 में 56 स्टेशनों के पानी में भी यह जानलेवा बैक्टीरिया पाया गया था।

रेल मंत्रालय के मानकों पर फेल हुए 458 स्टेशनः रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए जो कड़े मानक और दिशा-निर्देश तय किए गए हैं, रेलवे के विभिन्न जोन उनका पालन करने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं। सीएजी के ऑडिट में यह बात सामने आई है कि 512 स्टेशनों की गहन जांच करने पर उनमें से 458 स्टेशन रेलवे बोर्ड की गाइडलाइंस पर खरे नहीं उतरे। इन स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं (एमईए) या तो सिरे से नदारद थीं या फिर तय मानकों से बहुत कम थीं। पीने के साफ पानी की कमी के साथ-साथ शौचालयों में भी भयंकर गंदगी पाई गई है, जो सीधे तौर पर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ है।

नई दिल्ली और हावड़ा जैसे वीआईपी स्टेशनों का भी बुरा हाल

: सिर्फ छोटे स्टेशन ही नहीं, बल्कि देश के सबसे व्यस्त और एनएसजीआई-1 कैटेगरी में आने वाले वीआईपी स्टेशनों का हाल भी बेहाल है। रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली, सियालदह, हावड़ा, मुंबई सेंट्रल और सीएसएमटी जैसे बड़े स्टेशनों पर साफ-सफाई और यात्रियों के बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इन बड़े स्टेशनों पर कूड़ेदान और इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड जैसी बुनियादी चीजों का भारी अभाव है। ऑडिट में यह भी पाया गया कि पीने के पानी के नल, पंखे, वॉटर कूलर और जरूरी साइनबोर्ड जैसी आवश्यक सुविधाओं में भी कई स्टेशनों पर भारी कमियां हैं।

सीएजी ने दिए सुधार के सख्त निर्देशः नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में केवल रेलवे की खामियों को ही उजागर नहीं किया है, बल्कि व्यवस्था को सुधारने के लिए सख्त सिफारिशें भी की हैं। सीएजी ने रेलवे बोर्ड को निर्देश दिया है कि वाटर सप्लाई सिस्टम की नियमित जांच की जाए और यूनिफॉर्म ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी प्रोटोकॉल के तहत पीने के पानी की गुणवत्ता की पूरी टेस्टिंग सुनिश्चित की जाए, जिसमें सभी जरूरी पैरामीटर शामिल हों। इसके साथ ही स्टेशनों पर स्वच्छता बनाए रखने और यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े अन्य मापदंडों पर भी गंभीरता से ध्यान देने को कहा गया है।

बेटे ने मां की पीट- पीटकर ली जान , गिरफ्तार

बोकारोः जिले से पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है। जहां एक कलयुगी बेटे ने मामूली विवाद के बाद अपनी ही मां की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी है

घटना सेक्टर 12 थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक बीती रात घर में किसी बात को लेकर मां उर्मिला देवी और बेटे राजू कुमार के बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर बेटे ने मां के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि बेटे ने लाठी-डंडे और लात-घूसों से मां की बेरहमी से पिटाई की, जिससे मां बुरी तरह घायल हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर 12 थाना के पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जख्मी महिला को बोकारो जेनरल अस्पताल भेजा जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी बेटे राजू कुमार को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है।

सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि सेक्टर 12 थाना को सूचना मिली थी कि एक युवक अपनी मां के साथ मारपीट कर रहा है। पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल उर्मिला देवी को सदर अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी बेटे राजू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में चतरा के एसडीपीओ सन्नी वर्धन हुए सम्मानित

ड्रग्स, संगठित अपराध एवं नक्सल विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय कार्य के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

संवाददाता

चतरा : चतरा के ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर चतरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय पुलिसिंग कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ड्रग्स के खिलाफ अभियान, संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई, नक्सल विरोधी अभियानों के संचालन के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की ओर से उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।समारोह के दौरान उपायुक्त रवि आनंद, पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) के हाथों एसडीपीओ सन्नी वर्धन को प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। मंच से सम्मानित किए जाने के दौरान समारोह में मौजूद अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। स्वतंत्रता दिवस के भव्य समारोह में मिला यह सम्मान उनके कार्यों की प्रशासनिक एवं पुलिस महकमे में मिली स्वीकृति और सराहना को दर्शाता है।

ड्रग्स और संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई में सक्रिय भूमिका

: एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में अनुमंडल क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने तथा संगठित अपराध से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई। पुलिस टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की दिशा में लगातार प्रयास किए गए।

ड्रग्स जैसी गंभीर सामाजिक एवं आपराधिक समस्या के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को प्रभावी बनाने में उनके नेतृत्व को महत्वपूर्ण माना गया। इसके साथ ही संगठित अपराध से जुड़े तत्वों पर शिकंजा कसने और क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में भी पुलिस टीम ने कई स्तरों पर कार्रवाई की।

नक्सल विरोधी अभियान और सुरक्षा व्यवस्था में भी उल्लेखनीय योगदानः चतरा जैसे संवेदनशील जिले में नक्सल गतिविधियों की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की दिशा में भी एसडीपीओ सन्नी वर्धन की भूमिका महत्वपूर्ण रही। सुरक्षा बलों एवं स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में अभियान एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कानून-व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित निर्णय, पुलिस बल की सक्रियता, नियमित गश्ती, अपराध नियंत्रण एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर किए गए प्रयासों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने में योगदान दिया। उनके कार्यों का उद्देश्य अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना रहा।

सम्मान को बताया पूरी पुलिस टीम की उपलब्धिः प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने के बाद एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने सम्मान का श्रेय अपनी पूरी टीम को देते हुए कहा कि पुलिसिंग कभी किसी एक अधिकारी का व्यक्तिगत प्रयास नहीं होती। अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने में पूरी पुलिस टीम की मेहनत, समन्वय और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार का सम्मान पुलिस पदाधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भरोसा जताया कि चतरा पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने की सराहनाः स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समारोह में एसडीपीओ सन्नी वर्धन को सम्मानित किए जाने से पुलिस महकमे में भी उत्साह का माहौल रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने से पुलिस बल का मनोबल बढ़ता है और अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

समारोह में मिला यह प्रशस्ति पत्र एसडीपीओ सन्नी वर्धन के लिए महज सम्मान नहीं, बल्कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान, संगठित अपराध पर कार्रवाई, नक्सल विरोधी प्रयासों तथा प्रभावी कानून-व्यवस्था कायम रखने की दिशा में किए गए कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है। सम्मान मिलने के बाद उनके सहयोगियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता एवं कार्यकुशलता के साथ पुलिसिंग जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

न्यूज IN ब्रीफ

सियार के पटरी में पर आने से ट्रेन हुई बेपटरी

मुरी : मधुपुर स्पेशल ट्रेन - 08895 इतवारी जंक्शन से मधुपुर जंक्शन जा रही का एक बोगी नॉर्थ केबिन के पास लाइन से उतर गई। ट्रेन चालक को जब समझ में आया कि कुछ गड़बड़ है तो ट्रेन रोक दी, नीचे पटरी पर जा कर देखा तो सियार कटा हुआ था । चालक ने गाड़ी रोककर समझदारी दिखाई क्योंकि थोड़ी देर बाद स्वर्ण रेखा नदी पुल पार करती। इंजन से तीसरी बोगी व एक जनरल बोगी पटरी से उतर गयी। एक बोगी का पिछला चक्का उतरा । घटना तीन बजे सुबह की है। अभी पटरी पर काम चल रहा है। उसी पटरी पर बंदे भारत ट्रेन को रवाना किया गया।

1 करोड़ 60 लाख रूपये का 1050 किलो डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

चतरा : चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई में लावालौंग थाना क्षेत्र के लमटा गांव के पास से 1050 किलो डोडा बरामद किया है। डोडा को 85 बोरियों में भरकर ट्रक के जरिए तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से पंजाब निवासी एक तस्कर दीपक सिंह (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। बरामद डोडा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपये आंकी गई है।इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या 59/26 दर्ज किया गया है। अपने कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में अफीम और डोडा की तस्करी की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।एसपी के निर्देश पर सिमरिया एसडीपीओ नागर गोजे शुभभ भाऊ साहेब के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद डोडा को रांची के बुंडू इलाके से पंजाब ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पंजाब के संगरूर जिले के सदर संगरूर थाना के मंगवाल गांव निवासी सतपाल सिंह के पुत्र दीपक सिंह के रूप में हुई है। वहीं, उसके साथ मौजूद एक अन्य आरोपी पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गया।

द प्रेस क्लब चतरा में सम्मान के साथ हुआ झंडोत्तोलन

चतरा : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को द प्रेस क्लब चतरा परिसर में पूरे सम्मान और देशभक्ति के माहौल में झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। इस दौरान पूरा क्लब परिसर देशभक्ति के नारों और राष्ट्रप्रेम की भावना से गूंज उठा। झंडोत्तोलन कार्यक्रम में मुख्यालय समेत जिले भर के पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पत्रकारों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने के साथ आम लोगों की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों से निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी अनेक वीरों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। आजादी के इस पर्व पर सभी को राष्ट्रहित, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि द प्रेस क्लब चतरा पत्रकारों के हितों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी अपनी भूमिका निभाता रहेगा।मौके पर क्लब के सचिव जितेंद्र तिवारी, उपाध्यक्ष परमानंद आर्य, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मित्तल, वरिष्ठ पत्रकार नौशाद आलम, चंद्रेश शर्मा, प्रवीण रस्तोगी, नवीन पांडेय, सूर्यकांत कमल, संजय कुमार सिंह, संजीत मिश्रा, चेतन पांडेय, जितेंद्र कुमार, अभिमन्यु सिंह, मो. तस्लीम, रवि कुमार, मो. शहबान, लकी, प्रदीप वर्मा, गौतम कुमार सिंह, रुपेश कुमार सिंह, रित्विक शर्मा सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत में पत्रकारों ने देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा लोकतंत्र एवं पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान क्लब परिसर में देशभक्ति का माहौल बना रहा।

हंसडिया प्रभाग पुलिस निरीक्षक कार्यालय में किया गया झंडोत्तोलन

दुमका : 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दुमका जिला के पुलिस निरीक्षक हंसडिया प्रभाग में झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर अंचल पुलिस निरीक्षक प्रियंका आनंद के द्वारा झंडे को सलामी दी गई इस अवसर पर अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज में शान से लहराया तिरंगा, राष्ट्रभक्ति से गूंजा परिसर

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आजादी के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज परिसर में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के बीच ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तिरंगा फहराते ही पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंज उठा। छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के सचिव ने कहा कि भारत आज अपने मूल अस्तित्व, संस्कृति और गौरव की ओर तेजी से लौट रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के 80 वर्ष पूरे हो चुके हैं और आने वाले 20 वर्षों में भारत पुनः विश्वगुरु बनकर पूरी दुनिया को ज्ञान एवं मानवता का सही मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उन्होंने देश की पहचान, संस्कृति और गौरव को मजबूत करने के लिए सभी से एकजुट होकर राष्ट्रहित में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में बीएड, डीएलएड, बीसीए, डीफार्मा, बीए एवं बीकॉम के छात्र. छात्राएं व प्रशिक्षणार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संरक्षक इंजीनियर प्रेमांशु कुमार, अजीत कुमार तिवारी, प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी मौजूद रहे। डोमचांच क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की देखरेख में हुआ। अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए योगदान देने का संकल्प लिया।

देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय

हर्षोल्लास के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता

चतरा : जिला मुख्यालय के दीभा मोहल्ला स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 हर्षोल्लास और देशभक्ति के साथ मनाया गया। पूरा विद्यालय परिसर तिरंगे और देशभक्ति गीतों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ सेनापति एवं घोष दल के साथ मुख्य अतिथियों के स्वागत से हुआ। इसके बाद भारत माता पूजन एवं आरती के साथ विद्यालय में राष्ट्रभक्ति का माहौल बन गया। ध्वजारोहण के बाद बंशी की धुन में राष्ट्रगान और भारत माता की जय के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

इस पावन अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय, उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, सचिव संजय सिन्हा, सह सचिव कुमार विवेक सिंह, कोषाध्यक्ष मुकेश साह एवं समिति सदस्य रणजीत अग्रवाल जी की गरिमामय उपस्थिति रही।भैया बहनों ने घोष प्रदर्शन व रचना,योग अभ्यास, साहसिक प्रदर्शन और ताइक्वांडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपस्थित दर्शकों और श्रोताओं को खूब लुभाया। तत्पश्चात भैया-बहनों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में वाटिका नृत्य व समूह गान,,शिशु मंदिर और विद्या मंदिर का समूह नृत्य, नागपुरी फेम कजरी नृत्य और सामूहिक मासिक गीत सबसे आगे होंगे हिन्दुस्तानी ने सभी का मन मोह लिया।

इसके साथ ही हिंदी और अंग्रेजी में दिए गए भाषणों के माध्यम से भैया-बहनों ने स्वतंत्रता के महत्व, देशभक्ति और देश में वर्तमान समय में चल रही विभिन्न समस्याओं पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय आशीर्वचन में आचार्य , दीदी जी एवं भैया-बहनों को देश सेवा, अनुशासन और संस्कार का संदेश दिया। उन्होंने वर्तमान समय की शिक्षा व्यवस्था नेताओं के अधीन है हम गुलाम बन गए नेताओं के उनके कारण ही शिक्षा का व्यापार हो रहा है, युवाओं के भविष्य तथा परीक्षा में पेपर लीक जैसी समस्याओं पर भी अपने विचार रखे और सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया चाहे सरकार किसी की भी हो हमें आवाज उठानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, आचार्य जी, दीदी जी एवं भैया-बहनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

मंच संचालन कक्षा दशम की बहन अनामिका दुबे और कक्षा षष्ठ की बहन अंशिका शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम प्रमुख अजय रजक, सह प्रमुख सुप्रिया अंजली, प्रभारी प्रधानाचार्या सुशीला कुमारी, प्रभारी सुनील सिंह, शिवनंदन शर्मा समेत समस्त आचार्य बंधु-भगिनी एवं कर्मचारी बंधु-भगिनी का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

मुरी- सिल्ली के बोल बम श्रद्धालुओं ने पहाड़ी मंदिर में किया जलाभिषेक

मुरी : सिल्ली मुरी के शिव भक्त श्रद्धालुओं रांची पहाड़ी मंदिर में शिव पर जलाभिषेक किया और अपने बच्चों एवं परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। सिल्ली से आए ललिता देवी की बड़ी इच्छा थी कि पहाड़ी भोले बाबा को जल चढाए। वही बेबी आस ने कहा कि यहाँ पहाड़ी आकर आज मन में बहुत शांति मिला। घर में मेरा कलह है बाबा के अशीर्वाद से खत्म हो यही मेरी इच्छा है।

खूंटी में उत्साह और देशभक्ति के साथ मना 80वां स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता

खूंटी : जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह कचहरी मैदान में आयोजित हुआ, जहां उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने झंडोतोलन किया। इससे पूर्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने परेड का निरीक्षण किया और आत्मविश्वास व देशभक्ति के साथ तिरंगे को सलामी दी। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और राष्ट्रगान जन गण मन का गायन हुआ। झंडोतोलन के बाद उपायुक्त ने जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से खूंटी जिला निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने जिले की प्रगति में प्रशासन के साथ आमजनों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसीकेश कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में जिलावासी मौजूद रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिला पुलिस बल, सहायक पुलिस बल, डीएवी खूंटी, एसडीए मिशन विद्यालय, लोयोला उच्च विद्यालय, बिरसा कॉलेज एनसीसी, महात्मा गांधी एनडी ग्रोवर हाई स्कूल, सीएम एसओई एसएस प्लस-2 उच्च विद्यालय तथा जीईएल इमानुएल उच्च विद्यालय की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। जवानों और छात्र-छात्राओं ने शानदार अनुशासन, आत्मविश्वास एवं देशभक्ति का प्रदर्शन किया। परेड में प्रथम स्थान जिला पुलिस बल महिला प्लाटून द्वितीय स्थान बिरसा कॉलेज खूंटी एनसीसी गर्ल्स तथा तृतीय स्थान सीएम एसओई एसएस प्लस-2 उच्च विद्यालय एनसीस ने प्राप्त किया। विजेता टुकड़ियों को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

समारोह के दौरान जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ मैट्रिक और इंटरमीडिएट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी, सफाई मित्र, सेविका-सहायिका, आदेशपाल, अनुसेवक, सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी, जनसेवक और स्वास्थ्य कर्मियों सहित अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन किया गया।

इससे पहले उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने बिरसा पार्क स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, संघर्ष और बलिदान को नमन किया। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत उपायुक्त आवास, कचहरी मैदान, समाहरणालय, नगर पंचायत, जिला परिषद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय और पुलिस लाइन समेत विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी निर्धारित समय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

रांची में छात्रों ने बदला आंदोलन का स्वरूप

20 को सीएम आवास का करेंगे घेराव, आज पुतला दहन

संवाददाता

रांची: जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के विरुद्ध रांची में जारी छात्रों का आंदोलन 23वें दिन में प्रवेश कर गया है। रविवार को छात्र अपनी मांगों को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। छात्रों ने रविवार को पुतला दहन का ऐलान किया है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने अल्टीमेटम दिया है कि 18 अगस्त तक सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं करती है तो 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री आवास के घेराव के समय लाखों छात्र प्रदेशभर से आएंगे।

छात्र कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी आरोप लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राहुल गांधी सिर्फ छात्रों के साथ होने का आश्वासन दे रहे हैं,

जबकि उनकी पार्टी सरकार के साथ गठबंधन में है और उनके मंत्री गैरजिम्मेदाराना तरीके से बयान दे रहे हैं।

छात्र रविंद्र कुमार पासवान ने आईएएनएस से कहा कि हम अपने आंदोलन का स्वरूप बदल रहे हैं। इसकी जिम्मेदार झारखंड सरकार है। हमने पिछले 22 दिन में गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। ऐसा लगता है कि यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन राज्य सरकार को रास नहीं आया है और यह छात्रों को शहीद भगत सिंह रास्तों पर चलने के लिए मजबूर कर रही है।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने अब आर-पार की लड़ाई के लिए ठान लिया है। जब तक उनकी मांगों को नहीं मान लिया जाता, तब तक हम लोग आंदोलनरत रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों में बहुत आक्रोश है। वे यही कह रहे हैं कि 22 दिनों से हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे हैं, लेकिन सरकार नहीं सुन रही है। इसलिए हम लोग आज पुतला दहन करने जा रहे हैं।

छात्र ने कहा, झारखंड में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन राहुल गांधी भी हमारे लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के माध्यम से आश्वासन दिया था कि हम छात्रों के साथ हैं और छात्रों के मुद्दे हल होने चाहिए, लेकिन उनका आश्वासन सिर्फ आश्वासन ही रह गया है।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर राहुल गांधी हमारी मदद क्यों नहीं कर रहे हैं। एक तरफ वे कहते हैं कि छात्रों के साथ हैं, लेकिन दूसरी तरफ उनके मंत्रियों की जुबान पर नियंत्रण नहीं है। छात्र ने कहा, आज कांग्रेस के बड़े नेता हैं, लेकिन आपके नियंत्रण में आपके मंत्री क्यों नहीं हैं? आप कुछ कहते हैं, लेकिन मंत्री कुछ और बोल रहे हैं।

छात्र रविंद्र ने कहा कि झारखंड में जितनी जिम्मेदार जेएमएम है, उतनी ही कांग्रेस है। हम सभी छात्र इन दोनों का खेल समझ चुके हैं।

पुण्यतिथि पर अटल बिहारी वाजपेयी को दी गयी श्रद्धांजलि

रांची: पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर झारखंड में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। विधानसभा परिसर में लगी अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, झारखंड बीजेपी के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, मेयर रोशनी खलखो समेत बीजेपी के कई नेताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे राजनेता थे, जिनका कोई राजनीतिक शत्रु नहीं था। विपक्ष के नेता भी उनकी प्रशंसा करते थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के निर्माण का श्रेय अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के गठन के समय काफी चुनौतियां थीं। बिहार की तत्कालीन सत्ता में बैठे लोग अलग राज्य बनाने के विरोध में थे, लेकिन अटल जी के नेतृत्व और उनके फैसले के सामने तमाम विरोध शांत पड़ गया। यही वजह है कि पूरा झारखंड अटल बिहारी वाजपेयी का ऋणी है।

उन्होंने अटल जी के भाषणों और कविताओं को भी याद किया और कहा कि संसद के अंदर हो या बाहर, उनका भाषण बेहद प्रभावशाली होता था। बाबूलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए अटल जी ने सत्ता की चिंता से ज्यादा देशहित को प्राथमिकता दी। कई दलों के समर्थन से चल रही सरकार के बावजूद उन्होंने पोखरण में परमाणु परीक्षण का साहसिक फैसला लिया। उनका मकसद देश को मजबूत बनाना था। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और उनके राष्ट्रहित में किए गए कार्यों को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

80वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मुरी - सिल्ली व समस्त देशवासियों को मुरी थाना परिवार की ओर से हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

निवेदक
श्री मान विकास कुमार पासवान
प्रभारी मुरी थाना
सिल्ली, रांची।

झारखंड के हज यात्रियों को रांची से सीधी उड़ान की उम्मीदों को झटका

हज-2027 में भी नहीं बनेगा प्रस्थान केंद्र

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के हज यात्रियों को रांची से सीधे हज यात्रा के लिए उड़ान शुरू होने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि हज-2027 से रांची को हज यात्रियों के लिए प्रस्थान केंद्र बनाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार के इस रुख से झारखंड के उन हजारों हज यात्रियों की उम्मीदों पर असर पड़ा है, जो लंबे समय से रांची से सीधे हज की उड़ान शुरू किए जाने की मांग कर रहे हैं। यह मामला लोकसभा में रांची के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने उठाया था। उन्होंने केंद्र सरकार से जानना चाहा कि झारखंड के हज यात्रियों को पिछले कुछ वर्षों से हज यात्रा के लिए कोलकाता से उड़ान भरने के लिए मजबूर क्यों होना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से यह भी सवाल किया कि क्या रांची को हज यात्रियों के लिए प्रस्थान केंद्र बनाने की कोई योजना है और यदि है, तो हज-2027 से इसकी शुरूआत की जाएगी या नहीं। सांसद ने अपने सवाल में बताया कि झारखंड के हज यात्रियों को कोलकाता से हज यात्रा करने के कारण लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे यात्रियों को अतिरिक्त समय और आर्थिक खर्च वहन करना पड़ता है। साथ ही बुजुर्ग यात्रियों और अन्य यात्रियों को यात्रा के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कोलकाता से यात्रा करने में होती है परेशानी: झारखंड से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए रांची से कोलकाता तक पहुंचना अपने आप में एक अतिरिक्त यात्रा है। यात्रियों को पहले सड़क या रेल मार्ग से कोलकाता पहुंचना पड़ता है और इसके बाद वहां से सऊदी अरब के लिए उड़ान लेनी होती है। इससे यात्रा की प्रक्रिया लंबी और अधिक खचीर्ली हो जाती है।

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने सरकार के समक्ष इसी समस्या को प्रमुखता से रखते हुए रांची को हज यात्रियों के लिए प्रस्थान केंद्र बनाने की मांग उठाई। उनका तर्क है कि रांची में बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मौजूद है और यहां से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी लगातार मांग उठती रही है।

हज-2027 में भी प्रस्ताव नहीं : हालांकि केंद्र सरकार की ओर से दिए गए जवाब ने झारखंड के हज यात्रियों की उम्मीदों को फिलहाल झटका दिया है। सरकार ने साफ किया है कि हज-2027 के लिए रांची को प्रस्थान केंद्र बनाने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है। इसका मतलब यह है कि फिलहाल झारखंड के हज यात्रियों को हज यात्रा के लिए दूसरे निर्धारित प्रस्थान केंद्र पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। रांची से सीधे हज उड़ान शुरू करने की मांग पर अभी कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है।

यात्रियों को मिल सकती है राहत की उम्मीद: रांची को प्रस्थान केंद्र बनाए जाने से झारखंड के हज यात्रियों को कई स्तर पर राहत मिल सकती है। उन्हें दूसरे राज्यों तक लंबी दूरी तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे यात्रा का समय और अतिरिक्त परिवहन खर्च भी कम हो सकता है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमृत चिराग तिर्की
जिला अध्यक्ष, भारत आदिवासी पार्टी
सिमडेगा, झारखंड

80वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, सिल्ली प्रखंड की ओर से मुरी- सिल्ली व समस्त भारतवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

निवेदक-
श्री अनिल कुमार
बीडीओ
सिल्ली, रांची।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

राजेश कुमार सीआई ,बानो

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रवीण कुमार साहु
लचरागढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कल्याणी बारला
प्रस्तावित उच्च विद्यालय, लचरागढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
बानो ,सिमडेगा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रिंसिपल
फादर केलेमेंट लकड़ा
संत दोमिनिक इंटर कॉलेज लचरागढ़ सिमडेगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनूप कच्छप प्रभारी
प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल पदाधिकारी प्रखंड कोलेबिरा सिमडेगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज कुमार सिमडेगा

नाग पंचमी के दिन क्यों होती है सांपों की पूजा?

भारत में हर त्योहार का अपना एक खास मतलब है। जहां एक तरफ कुछ पर्व देवी-देवताओं को समर्पित होते हैं, वहीं कुछ प्रकृति को सम्मान देने के लिए मनाए जाते हैं।

ऐसे भी कुछ त्योहार हैं जो जीव-जंतुओं के लिए मनाए जाते हैं। ऐसा ही एक पर्व है नाग पंचमी का। इस दिन पूरे देश में लोग सांपों की पूजा करते हैं। यह पर्व सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है।

इस साल नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त को मनाया जाएगा। नाग पंचमी शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है जिसमें से नाग का अर्थ है सांप जबकि पंचमी का मतलब है चंद्र पखवाड़े का पांचवां दिन। इस दिन लोग सांपों को दूध, फूल और मिठाइयां अर्पित करते हैं और उनकी पूजा विधि-विधान से करते हैं। पूजा के लिए नाग देवता का चित्र बनाया जाता है फिर उसी को सभी सामग्रियां अर्पित की जाती हैं। आइए आपको बताते हैं नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा के महत्व और इसमें छिपे रहस्य के बारे में।

नाग पंचमी क्यों मनाई जाती है?

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को हर साल नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व नाग देवता को समर्पित होता है और इसे पूरे देश में आस्था के साथ मनाया जाता है। इस पर्व से जुड़ी एक पौराणिक कथा है जिसके अनुसार बहुत समय पहले हस्तिनापुर में राजा परीक्षित राज करते थे। एक बार वे शिकार पर गए और जंगल में रास्ता भटक गए। उन्हें प्यास लग रही थी और तभी उन्हें एक आश्रम दिखाई पड़ा। राजा वहां पहुंचे और उन्होंने पानी मांगा। उस आश्रम में ऋषि श्रमिक गहरे ध्यान में लीन थे और राजा के पानी मांगने पर भी उन्होंने अपना ध्यान नहीं छोड़ा। इस बात पर राजा परीक्षित को क्रोध आ गया और उन्होंने एक मरा हुआ सांप ऋषि के गले में डाल दिया और वहां से चले गए। कुछ समय बाद ऋषि श्रमिक के पुत्र श्रृंगी आश्रम लौटे और उन्होंने पिता के गले में मरा हुआ सांप देखा और उन्होंने राजा परीक्षित को श्राप दे दिया कि आज से सातवें दिन तक्षक नाग राजा परीक्षित को डस लेगा और उनकी मृत्यु हो जाएगी। राजा परीक्षित को जब यह बात पता चली तो वे बहुत चिंतित हुए। उन्होंने बचने के कई उपाय किए लेकिन सातवें दिन तक्षक नाग एक ब्राह्मण का रूप धर कर आया और उसने राजा परीक्षित को डस लिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। उस समय राजा परीक्षित के पुत्र जन्मेजय ने प्रतिज्ञा ली कि वो समस्त नागों का नाश कर देंगे। उन्होंने एक विशाल सर्प यज्ञ का आयोजन किया। जैसे-जैसे यज्ञ में मंत्रोंर होता नाग स्वयं आकर अग्निकुंड में गिरने लगे और तक्षक नाग ने भयभीत होकर देवराज इंद्र की शरण ले ली।

नाग पंचमी के दिन क्यों होती है नागों की पूजा?

जिस समय राजा परीक्षित के पुत्र जन्मेजय यज्ञ कर रहे थे उसमें तक्षक भी यज्ञ की ओर खींचने लगा और इंद्र भी उसके साथ खींचते हुए आने लगे तो सभी देवता चिंतित हो उठे। उस समय सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने कहा इस यज्ञ को रोकने के लिए हमें आस्तिक मुनि को बुलाना होगा। आस्तिक मुनि जो ने यज्ञ स्थल पर आकर राजा जन्मेजय से कहा कि हर प्राणी का अपना धर्म और स्थान होता है। उन्होंने राजा को बताया कि सर्पों को बिना कारण मारे जाने से प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। राजन आपके पिता की मृत्यु उनके कर्मों का परिणाम थी ना कि केवल तक्षक नाग का दोष था, इस यज्ञ को रोक दें। उस समय जन्मेजय ने यज्ञ रोक दिया और नागों से क्षमा मांगने के लिए उनकी पूजा की। उस दिन सावन महीने की पंचमी तिथि थी और तभी से हर साल सावन में शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागों की पूजा की जाती है और उन्हें पूजा की सामग्रियां अर्पित की जाती हैं।

धार्मिक ग्रंथों में नागों की पूजा का रहस्य

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, नाग देवता को ब्रह्मांडीय और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक माना जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं और धर्मग्रंथों में सांपों के प्रति वैदिक सम्मान को दिखाया जाता है।

प्राचीन वैदिक और पौराणिक ग्रंथों में नाग पंचमी के त्योहार का विस्तार से वर्णन मिलता है। ऋग्वेद, महाभारत और रामायण जैसे ग्रंथों में भी नाग देवता के महत्व का वर्णन मिलता है। भगवत गीता में एक श्लोक है जिसमें कृष्ण जी ने बताया है कि नागों में भी उनका स्वरूप है- नागों में मैं शेषनाग हूं। जल के जीवों में वरुण देव मैं हूं, पितरों में अर्यमा नामक पितर मैं हूं। शासन करने वालों में मैं यमराज हूं। इस श्लोक से पता चलता है कि नागों में भी श्री कृष्ण मौजूद हैं, इसलिए उनकी पूजा का विशेष महत्व है। हिंदू धर्म में सांपों की पूजा का विशेष महत्व है और आज भी नाग पंचमी के दिन सांपों का चित्र या फिर गोबर से सांप बनाकर उनकी पूजा का विधान है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए।

दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

चुनौती भरा कॅरियर

मेडिकल लैब टेक्निशियन

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटीं टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ ा होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पेट्रोल पंप मैनेजर की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप लगाकर सड़क जाम

हुसैनाबाद : पिपरा थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर मैनेजर के रूप में कार्यरत 25 वर्षीय राजू कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। मृतक हुसैनाबाद शहर के कुर्मी टोला निवासी सुरेश चौधरी का पुत्र था। घटना के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हुसैनाबाद के पटेल चौक के पास जपला-हैदरनगर मुख्य मार्ग को देर शाम जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। पिपरा थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा के अनुसार, घटना के समय राजू कमरे में अकेला था। उसका सहयोगी 15 अगस्त के झंडोत्तोलन कार्यक्रम में गया था। वापस लौटने पर उसने राजू का जला हुआ शव कमरे में पड़ा देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। फिलहाल परिजनों की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

हुसैनाबाद में अवैध हथियार रखने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार, कट्टा व कारतूस बरामद

हुसैनाबाद : हैदरनगर थाना क्षेत्र के धनुडीह गांव में अवैध हथियार रखने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर रोशन कुमार रवि के घर छापेमारी की गई, जहां तलाशी के दौरान बिस्तर के नीचे छिपाकर रखा गया एक देसी कट्टा बरामद हुआ।

पूछताछ में हथियार रखने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने बुद्धिबिगहा बलवंत कुमार (19) और रोशन कुमार रवि (19) को गिरफ्तार कर थाना लाया। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-इ)(')/26 के तहत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई हैदरनगर थाना प्रभारी तंजीलूल मनान के नेतृत्व में की गई। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

वूमेन फुटबॉल टूर्नामेंट बिरसानगर में होगा

जमशेदपुरः वूमेन फुटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया, झारखंड इकाई द्वारा आयोजित प्रदर्शनी मैच का रविवार शाम आयोजन किया गया है। मैच में बंगाल महिला फुटबॉल टीम और झारखंड टीम आमने-सामने होंगी। कार्यक्रम गुड़िया मैदान, बिरसानगर में दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास होंगे, जबकि समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले और टाउन डिवीजन के कार्मिक विभाग प्रमुख रजत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

स्वच्छता में अव्वल बनाने का ले संकल्पः सिंह

जमशेदपुर : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिष्टुपुर में झंडा रोहण के बाद जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के शिक्षा प्रतिनिधि एसपी सिंह ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आजादी के 80 वर्ष बाद भी कई नगर सुविधाएँ पूर्ण रूप से व्यवस्थित नहीं हुई हैं और जमशेदपुर जैसे औद्योगिक शहर में भी स्वच्छता व पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएँ बरकरार हैं।एसपी सिंह ने लक्ष्य बताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में स्थानीय स्तर पर शुरूआत अपने शहर से होनी चाहिए। उनका कहना था कि केवल प्रशासन ही नहीं, आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता, पेयजल और बेहतर नागरिक सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास तथा प्रशासन की जवाबदेही आवश्यक है।उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि स्वतंत्रता दिवस पर यह संकल्प लें कि वे जमशेदपुर को देश के अग्रणी स्वच्छ और व्यवस्थित शहरों में बदलने में अपना योगदान देंगे।

पहली पुण्यतिथि पर याद किए गये साहित्यकार गंगा प्रसाद अरूण

जमशेदपुर : भोजपुरी-हिंदी के यशस्वी कवि एवं साहित्यकार स्व. गंगा प्रसाद अरूण की पहली पुण्यतिथि पर गोलमुरी स्थित भोजपुरी भवन में ह्यस्मृति सभा सह पुस्तक लोकार्पणह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन उनके सुपुत्र एवं भोजपुरी जन जागरण अभियान के राष्ट्रीय संयोजक राजेश भोजपुरिया की देखरेख में हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अरविंद विद्रोही ने की, जबकि संचालन उदय प्रताप हयात ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत स्व. गंगा प्रसाद अरूण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। मुख्य वक्ताओं चंद्रेश्वर खां, मनोकामना सिंह अजय, वरुण प्रभात और अशोक शुभदर्शी ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनसे जुड़ी स्मृतियां साझा कीं।वक्ताओं ने कहा कि गंगा प्रसाद अरूण शहर के साहित्यिक जगत के नायाब हीरा थे। उनकी लेखनी और साहित्य हमेशा उन्हें जीवित रखेंगे। घाटशिला से पहुंचीं डॉ. रजनी रंजन ने स्वागत वक्तव्य दिया। अध्यक्षीय संबोधन में अरविंद विद्रोही ने कहा कि गंगा प्रसाद अरूण अपनी रचनाओं और साहित्य के माध्यम से सदैव याद किए जाते रहेंगे।

एमएमडीआर एक्ट के खिलाफ पूरे राज्य में होगा उलगुलान : झामुमो

जमशेदपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो ने राष्ट्रपति से अपील की है कि वह खान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) विधेयक 2026 पर किसी कीमत पर हस्ताक्षर नहीं करें। उन्होंने इस विधेयक को केंद्र सरकार को वापस लौटने का आग्रह किया है।

झामुमो का मानना है कि इस विधेयक के पारित लागू होने से झारखंड के आर्थिक हितों को भारी नुकसान पहुंचेगा। पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी ने कहा कि केंद्र सरकार का यह विधेयक राज्य की आर्थिक हितों को भारी नुकसान पहुंचाने वाला है। इसके कारण सिर्फ वित्तीय वर्ष 2026-27 में ही करीब 13000 करोड रुपए का राजस्व का नुकसान होगा। वे आज सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि अगर जबरन इस कानून को राज्य पर थोपा गया तो मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि एक बार फिर से राज्य में उलगुलान होगा। ऐसा आंदोलन होगा जिसकी केंद्र सरकार ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि इस मसले पर राज्य सरकार हर मोर्चे पर लड़ने के लिए तैयार है। व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा और राज्य से खनिज का एक धेला भी केंद्र सरकार नहीं ले जा पाएगी। झामुमो का यह भी आरोप है कि यह संशोधन केंद्र सरकार अदानी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने और खदाने उन्हें खान सौंपने के लिए लाई है।

दक्षिण पूर्व जोन में रेलवे बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका का विमोचन

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व जोन में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026 की द्वितीय बैठक का आयोजन महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान जीएम ने रेलवे बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका (अंकझ11) का विमोचन किया। पत्रिका विमोचन समारोह में दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष और सभी मंडलों के डीआरएम उपस्थित थे। रेल जीएम ने दक्षिण पूर्व जोन में राजभाषा के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने किया झंडोत्तोलन

बिनय मिश्रा

मुजफ्फरपुर : जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने स्वतंत्रता दिवस के 80 वें अवसर पर झंडोत्तोलन करने के साथ पुलिस ग्राउंड में परेड का निरीक्षण किया तथा पुलिसकर्मियों को संबोधित किया। मुजफ्फरपुर के एसएसपी श्री मिश्रा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस मैदान में आयोजित कार्यक्रम में झंडोत्तोलन के पश्चात वाहन पर सवार होकर ग्राउंड में परेड का निरीक्षण भी किया उन्होनें दायित्व और कर्तव्य के साथ पुलिस को बेहतर कार्य करने की भी बात कही। परेड निरीक्षण करने के दौरान एस एस पी ने पुलिसकर्मियों की सराहना करने के साथ साथ उनका मनोबल भी बढ़ाया।

धनबाद में फायरिंग, युवक की जांघ में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता

धनबाद : गोंदूडीह ओपी क्षेत्र के धारियां जोआ बस्ती में शनिवार को पुराने विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना सामने आई, फायरिंग में 28 वर्षीय पिंटू पासवान की जांघ में गोली लगी। घटना के बाद घायल अवस्था में पिंटू को गोंदूडीह पुलिस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल पिंटू पासवान ने पुलिस को बताया कि वह धारियां जोआ के ग्राउंड के पास खड़ा था, इसी दौरान भवानी सिंह अपने वाहन से वहां पहुंचा। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। पिंटू के अनुसार, इसी दौरान भवानी सिंह का बेटा गोला सिंह भी मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि गोला सिंह घर से पिस्तौल लेकर आया और इसके बाद उसने पिंटू पासवान पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली पिंटू की जांघ में जा लगी। गोली लगने के बाद पिंटू किसी तरह गोंदूडीह ओपी पहुंचा, पुलिस ने तत्काल उसे इलाज के लिए रठटटउल्ह भेजा, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। वहीं, गोंडुडीह ओपी प्रभारी लव कुमार ने बताया कि भवानी सिंह और पिंटू पासवान के बीच पहले से विवाद चल रहा है। इसी पुराने विवाद को लेकर दोनों के बीच कहासुनी और मारपीट हुई, जिसके बाद फायरिंग की घटना हुई।

पुलिस के अनुसार, पिंटू पासवान ने भवानी सिंह पर गोली चलाने का आरोप लगाया। घटनास्थल से खोखा भी बरामद किया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फायरिंग में शामिल लोगों की भूमिका की हर नजरिए से जांच कर रही है।

विधानसभा में स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने किया ध्वजारोहण बोले- आजादी में झारखंड के वीर सपूतों का भी बड़ा योगदान

संवाददाता

रांची : स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झारखंड विधानसभा में स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने झंडोत्तोलन किया और परेड की सलामी ली। इस मौके पर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सब देश के 80वां स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर इस तिरंगे के नीचे एकत्रित हैं। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि अपने इतिहास को स्मरण करने, वर्तमान का मूल्यांकन करने और भविष्य के भारत के प्रति अपने दायित्व को दोहराने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति, एक संस्था या एक क्षेत्र के संघर्ष का परिणाम नहीं थी, महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को जनशक्ति में बदला और जवाहरलाल नेहरू ने आधुनिक, लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक भारत की नींव रखने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता के लिए अदम्य साहस और पूर्ण समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। भारत की धरती ने भी स्वतंत्रता संग्राम को असाधारण बलिदान दिए। खुदीराम बोस का साहस देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बनी।

स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने झारखंड के वीर सपूतों को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाबा तिलका मांझी ने 1784 में अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध प्रतिरोध का बिगुल बजाया। सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने 1855 के संथाल हूल को नेतृत्व दिया। धरती आबा बिरसा मुंडा ने औपनिवेशिक सत्ता को चुनौती देने के साथ-साथ अपने समाज के अधिकार, आत्मसम्मान और अस्तित्व की आवाज को भी मजबूत किया। इन सभी सेनानियों की विरासत हमें एक महत्वपूर्ण बात सिखाती है- स्वतंत्रता केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं थी, यह सम्मान के साथ जीने और अपना भविष्य स्वयं निर्धारित करने की आकांक्षा भी थी।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को हमें राजनीतिक स्वतंत्रता मिली लेकिन स्वतंत्रता के साथ एक दूसरी बड़ी जिम्मेदारी भी मिली- राष्ट्र निर्माण की। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और भारत ने स्वयं को एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप

में स्थापित किया। हमने शुरूआत से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार स्वीकार किया, जिसका अर्थ है- देश का सबसे गरीब नागरिक और सबसे संपन्न नागरिक, दोनों का वोट समान मूल्य रखता है। यही भारतीय लोकतंत्र की महान उपलब्धियों में से एक है, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव और मतदान तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र का अर्थ है- संविधान की सर्वोच्चता, संस्थाओं की गरिमा, कानून का शासन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, असहमति का सम्मान और नागरिकों के प्रति जवाबदेही। इसीलिए विधानसभा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं है, यह जनता की आकांक्षाओं, समस्याओं और अपेक्षाओं का संवैधानिक मंच है। राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, सरकार और विपक्ष की भूमिकाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन लोकतंत्र की मयार्दा और संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता साझा होनी चाहिए।

पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय स्थित पुलिस केंद्र में मुख्य अतिथि राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार तथा परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। समारोह से पूर्व शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें अनगिनत बलिदानों के बाद मिली है और अब राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

मंत्री ने पश्चिमी सिंहभूम में विकास योजनाओं की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। अबुआ आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। बिरसा हरित ग्राम योजना से किसानों को फल उत्पादन के जरिए आय बढ़ाने का अवसर मिला है। स्वयं सहायता समूहों और फूलों-झानो आशीर्वाद योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल की जा रही है।

पाकुड़ में सामान चोरी कर पश्चिम बंगाल में बेचने वाले गैंग का खुलासा, चार अपराधी गिरफ्तार

पाकुड़ : नगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं के बाद चुराए गए सामानों को पश्चिम बंगाल में बेचने का काम एक अंतर्राज्यीय चोर गिरोह करता था। पुलिस की कार्रवाई में यह खुलासा हुआ है। नगर थाना क्षेत्र के शहरकोल और मधपाड़ा में हुई चोरी की घटनाओं के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था। इस एसआईटी में शामिल पुलिस अधिकारियों ने प्राप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर दोनों स्थानों से चोरी के सामान भी बरामद किए गए। इसके साथ ही चोरी के सामान खरीदने वाले अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के सदस्य, पश्चिम बंगाल के समशेरगंज थाना क्षेत्र निवासी रॉनी शेख को ी गिरफ्तार किया गया।चोरी की घटनाओं के उद्भेदन और चारों आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने पत्रकार सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि शहरकोल और मधपाड़ा में हुई चोरी की घटनाओं का मात्र दो दिन के अंदर उद्भेदन कर लिया गया है। बरामदगी में चोरी के बर्तन, नगद रुपये, सोने की अंगूठी तथा चोरी में इस्तेमाल किए गए औजार शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में रॉनी शेख, मो। इस्माइल हक, सागर मंडल और हबीब सुरज शेख ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इनमें से रॉनी शेख, सागर मंडल और हबीब शेख का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है।एसआईटी में पुलिस अधीक्षक सह नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, सन्नी सुप्रभात, अनंत साहा, मिथुन रजक, सुबल कुमार डे समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना के सफल उद्भेदन और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी के पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को पुरस्कृत किया जाएगा।

महिला थाना परिसर में थाना प्रभारी फिरदौस नाज ने दी राष्ट्रीय झंडे को सलामी

संवाददाता

चतरा : 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चतरा महिला थाना परिसर में शनिवार को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप महिला थाना प्रभारी फिरदौस नाज ने पूरे सम्मान,गरिमा और आन-बान-शान के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तथा ध्वज को सलामी दी। तिरंगा फहराते ही महिला थाना परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में अनुशासन और निष्ठा के साथ सलामी दी। इस दौरान राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान की गूंज से पूरा थाना परिसर गुंजायमान हो उठा। राष्ट्रगान के दौरान मौजूद सभी लोगों में देश के प्रति सम्मान, समर्पण और गौरव की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।स्वतंत्रता दिवस

के इस पावन अवसर पर महिला थाना परिसर का माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा। थाना प्रभारी फिरदौस नाज ने स्वतंत्रता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों के त्याग, संघर्ष एवं बलिदान को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने कहा कि देश की कानून-व्यवस्था बनाए रखना और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ करने का आह्वान किया। विशेष रूप से महिला थाना होने के नाते महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही।

स्व-तंत्र बड़ा ही खूबसूरत शब्द है, जिसने स्व का तंत्र पाया, वह है स्वतंत्र

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्र हुए हमें 79 साल बीत गए और आज से हमने स्वतंत्रता के 80 वें वर्ष में प्रवेश किया है।

79 वर्ष पहले हम शारीरिक तौर पर स्वतंत्र तो गए और अब हमें मानसिक गुलामी से स्वतंत्र होने की जरूरत है.

स्वतंत्रता का तात्पर्य मात्र राजनैतिक बन्धनों से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता का तात्पर्य है... धन का, अवसर का, रोजगार का निष्पक्ष और एक समान बंटवारा, जातिगत-अवरोधों और सामाजिक असमानताओं की समाप्ति, सांप्रदायिकता, लैंगिक अपराधों और धार्मिक-असहिष्णुता का विनाश ।

वास्तव में पिछले कुछ वर्षों को छोड़ दिया जाये तो स्वतंत्र भारत में आजादी केवल सांकेतिक रही है, सांकेतिक इसलिए बोल रही हूँ कि सरकार किसी भी पार्टी की रही हो सामान्य जन को कभी यह भरोसा नहीं दिला पाईं कि वह एक आजाद देश का नागरिक है।

लोकतंत्र तो एक ऐसी व्यवस्था होती है जिसमें राजतंत्र का अभाव होता है किंतु अब तो लोकतंत्र में भी तानाशाही आ गई है।आज हम यदि आजाद भारत के सारे पन्ने पलट कर देख लें, हम सोचने पर मजबूर हो जाएँगे कि क्या यह वही देश है जिसने सचमुच इतने बलिदान और त्याग के बाद आजादी पायी थी...? आज तो हम एक देश के भीतर कई देश बनाकर रह रहे हैं...

स्वतंत्रता दिवस को हमें मात्र एक दिवस या तारीख बनाकर नहीं रखना है

सरकार के साथ हमारा भी दायित्व बनता है कि अपने देश को सामाजिक, राजनीतिक, और आर्थिक बुराइयों से राहत दिलाएँ ।

कानून और न्याय व्यवस्था सहज और सुलभ हो ताकि आम व्यक्ति अपने आप को महफूज महसूस करें तभी सच्चे अर्थों में हम स्वतंत्र समझे जायेंगे।

स्वतंत्रता का अर्थ होता है परतंत्रता की बेड़ियों से आजादी... किन्तु कहीं ना कहीं आज भी हम अपने दकियानूसी विचारों को तोड़ नहीं पा रहे हैं और ऊंच-नीच , अमीर-गरीब जातिवाद व अन्य कुरीतियाँ हमें जकड़े हुए हैं इन विचारों से अपने आप को हमें दूर करना है तभी सही मायने में स्वतंत्रता शब्द की सार्थकता होगी।

सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं

खुश रहें , स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें,और भारत माता के सपनों को साकार करें।

जय हिंद, जय भारत

बॉक्स ऑफिस पर 'आवारापन 2' ने 'बंटवारा 1947' को पछाड़ा

स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत में रिलीज हुई सनी देओल की 'बंटवारा 1947' से 'गदर 2' और 'बॉर्डर 2' जैसी सफलता की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' ने बाजी मार ली। सैकनिल्क के शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक, 'आवारापन 2' ने भारत में पहले दिन करीब 21 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि 'बंटवारा 1947' की कमाई 5.75 करोड़ रुपये रही। यानी इमरान हाशमी की

फिल्म ने पहले दिन सनी देओल की फिल्म से करीब तीन गुना ज्यादा कमाई की।

एडवांस बुकिंग के आंकड़ों से ही दोनों फिल्मों के बीच अंतर साफ नजर आने लगा था। 'आवारापन 2' ने पहले दिन के लिए करीब 8 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग हासिल की थी, जबकि 'बंटवारा 1947' की एडवांस बुकिंग लगभग 1.76 करोड़ रुपये रही। समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और सनी देओल तथा शबाना आजमी के दमदार अभिनय के बावजूद फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी। वहीं, 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' की सीक्वल को इमरान हाशमी के लोकप्रिय किरदार शिवम पंडित और पहली फिल्म के संगीत से बनी फैन फॉलोइंग का फायदा मिलता नजर आया।

दिलचस्प बात यह है कि 2007 में पहली 'आवारापन' और सनी देओल की 'अपने' का भी बॉक्स ऑफिस पर आमना-सामना हुआ था। उस मुकाबले में इमरान हाशमी की फिल्म पिछड़ गई थी, लेकिन 19 साल बाद 'आवारापन 2' ने पहले दिन ही सनी देओल की फिल्म को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी 'आवारापन 2' में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में हैं। दूसरी ओर, 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा और करण देओल नजर आ रहे हैं। सनी देओल की पिछली बड़ी सफल फिल्मों 'गदर 2' और 'बॉर्डर 2' ने क्रमशः 40 करोड़ और 32 करोड़ रुपये की दमदार ओपनिंग की थी, लेकिन 'बंटवारा 1947' उस स्तर की शुरूआत करने में नाकाम रही।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल भगत सिंह चौक खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

धर्मेंद्र किशोर सिंह
कार्य प्रमंडल
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हरि शंकर बारीक
जिला परिवहन
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जिला कृषि
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जेम्स कुजूर
कार्यपालक अभियंता
विद्युत विभाग खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सृष्टि दिप्रिया मिंज
कार्यपालक
पदाधिकारी नगर
पंचायत खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रामनरेश सिंह
जिला खन्न
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष कुमार कर
उप प्रमुख तोरपा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ममता हंगमा सुब्बा
प्राचार्य
ग्रेस हाई स्कूल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीकेश शिंकु
लघु सिंचाई
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अविनाश कुमार
जिला निबंधन
पदाधिकारी खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सैयूम अंसारी
मजदूर यूनियन के अध्यक्ष
सह कांग्रसी नेता

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रियंक भगत
अध्यक्ष
चैंबर ऑफ कॉमर्स खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रकाश टूटी
प्रदेश मंत्री एवीबीपी, झारखंड सह
निदेशक लाइट्स प्ले स्कूल, खूंटी

ज्वेलरी शॉप मालिक को पेट में मारी गोली, इलाके में मचा हड़कंप

पटना: बिहार की राजधानी पटना में दुकान में पीछे के दरवाजे से कथित तौर पर घुसने की कोशिश कर रहे हथियारबंद बदमाश ने पत्नी के साथ विरोध कर रहे जौहरी को गोली मार दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र की है।

पटना सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-1 मनोज कुमार ने बताया कि दुकान का शटर रात करीब 9.30 बजे बंद कर दिया गया था, लेकिन पीछे का दरवाजा खुला रह गया था। उन्होंने कहा, आरोपी पीछे के दरवाजे से दुकान में घुसा और दुकान तक जाने वाले गलियारे में जौहरी और उनकी पत्नी ने उसे रोका। दंपति द्वारा रोके जाने पर उसने गोली चला दी, जो दुकान मालिक के पेट में लगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल जौहरी की पहचान दीपक कुमार के रूप में हुई है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है।

एसडीपीओ ने आगे बताया कि हाथापाई के दौरान आरोपी की शर्ट फट गई और वह सड़क के दूसरी तरफ एक गली में इंतजार कर रहे अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर वहां से भाग गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। एसडीपीओ ने कहा, आरोपी भागते समय घटनास्थल पर अपनी पिस्तौल छोड़ गया। हमने हथियार जब्त कर लिया है और उसकी मैगजीन से तीन कारतूस और एक खोखा बरामद किया है।

वंदे मातरम पर घमासान: बंकिम चंद्र के वंशज ने सोनिया गांधी से की माफी की मांग

नई दिल्ली: भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के सीधे वंशज सुमित्रो चटर्जी ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम् के पूरे संस्करण को लेकर हुई कथित घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोनिया गांधी से भारत के नागरिकों, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की अपील की। चटर्जी ने अपने पत्र में वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका का उल्लेख करते हुए अरबिंदो, खुदीराम बोस, बिपिन चंद्र पाल, सरला

देवी चौधरानी, बाल गंगाधर तिलक और रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़े कई ऐतिहासिक प्रसंग भी गिनाए।

'ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना': अपने पत्र में चटर्जी ने लिखा कि जब देश स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा था और 'पूरा देश मातृभूमि की पूजा में लीन था', उस समय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में हुई घटनाएं 'न केवल दुर्भाग्यपूर्ण थीं, बल्कि एक ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना थीं।' उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गा रहे थे, तब सोनिया गांधी की 'स्पष्ट बेचैनी, नाराजगी और इसे रोकने की बार-बार की कोशिशों' ने उन्हें बेहद दुखी किया।

'आपकी असहिष्णुता शहीदों के बलिदान का अपमान': चटर्जी ने अपने पत्र में लिखा, 'एक आम भारतीय नागरिक, एक देशभक्त और सबसे बढ़कर, ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार का सीधा वंशज होने के नाते, मैं आज गहरे दर्द, खालीपन और दुख के साथ यह पत्र लिख रहा हूं।' वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए चटर्जी ने अरबिंदो का हवाला दिया। उन्होंने लिखा, 'अरबिंदो ने वंदे मातरम को केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि देशभक्ति का धर्म बताया था। चटर्जी ने कहा कि इस मंत्र ने खुदीराम बोस समेत अनगिनत निडर क्रांतिकारियों को फांसी के फंदे का सामना करने और हंसते-हंसते मौत को गले लगाने के लिए प्रेरित किया। आज, स्वतंत्र भारत की धरती पर उसी मंत्र वंदे मातरम के पूरे पाठ के प्रति आपकी असहिष्णुता लाखों शहीदों के बलिदान का गंभीर अपमान लगती है।

आजादी की लड़ाई में गीत की भूमिका का किया जिक्र: पत्र में भाजपा विधायक ने स्वतंत्रता आंदोलन में 'वंदे मातरम' की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्रवादी नेता बिपिन चंद्र पाल का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल विभाजन के बाद यह गीत हर क्रांतिकारी की जुबान पर था। 'स्वदेशी', 'बहिष्कार' और 'वंदे मातरम' आजादी की लड़ाई के जीवंत प्रतीक बन गए थे।

1905 के कांग्रेस अधिवेशन से लेकर 1938 तक के प्रसंग गिनाए: चटर्जी ने 1905 के बनारस कांग्रेस अधिवेशन में सरला देवी चौधरानी द्वारा पूरा गीत गाए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने 1909 में राजद्रोह के मुकदमे के दौरान बाल गंगाधर तिलक को उनके समर्थकों द्वारा 'वंदे मातरम' गाते हुए सुनाए जाने और 1938 में उस्मानिया यूनिवर्सिटी में हुए राष्ट्रवादी छात्र आंदोलन का भी जिक्र किया।

राजस्थान के झालावाड़ में दर्दनाक हादसा

दरगाह के पास ढलान पर बेकाबू हुई बस ने 9 को रौंदा, तीन की मौत

झालावाड़: शनिवार रात एक निजी बस की चपेट में आने से बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में कुल नौ लोग प्रभावित हुए, जिनमें तीन लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति की खानपुर अस्पताल में, जबकि दो लोगों की झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल में मौत हुई है। अन्य घायलों का झालावाड़ और खानपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद एक व्यक्ति की खानपुर अस्पताल में मौत होने पर आठ घायलों को झालावाड़ रेफर किया गया था। यहां दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि दो लोगों की मौत होने के बाद उनके शव मोर्चरी में रखवाए गए हैं। चार घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों के शवों का आज पोस्टमार्टम किया जाएगा।

ढलान पर अनियंत्रित हुई बसः अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, भीमसागर क्षेत्र में पातलापीर दरगाह के समीप शनिवार रात एक निजी बस ऊपर से नीचे की तरफ आ रही थी। इसी दौरान ढलान पर बस अनियंत्रित हो गई और नीचे खड़े करीब आधा दर्जन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति को खानपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, चार घायलों को झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल लाया गया, जहां जांच के बाद दो लोगों की मौत हो गई। एक घायल को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही सारोला थाना प्रभारी बुद्धा राम चौधरी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक तौर पर हादसा बस की चपेट में आने से होना बताया जा रहा है।

बाबतपुर एयरपोर्ट पर जांच के दौरान यात्री की बंदूक से चली गोली, दो कर्मी घायल,हडकंप

वाराणसी : बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह हथियार की जांच के दौरान यात्री की बंदूक से अचानक गोली चल गई। गोली लगने से एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच करने वाली दो कर्मी घायल हो गईं। सूत्रों के अनुसार घायल महिला का नाम सुमन कुमारी और युवक का नाम रोहित राज है। घटना के बाद टर्मिनल भवन में अफरातफरी मच गई। दोनों घायलों को तत्काल एंबुलेंस से हरहुआ स्थित न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

एयरपोर्ट निदेशक के अनुसार, रविवार 16 अगस्त को सुबह करीब 9:30 बजे मुंबई जाने वाली उड़ान संख्या आईएक्स-1810 से यात्रा करने वाले एक यात्री ने अपनी पत्नी के साथ सफर के लिए हथियार घोषित किया था। विमान में ले जाने के लिए घोषित हथियार की जांच एयरपोर्ट पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही थी। इसी दौरान यात्री के हथियार से एक राउंड फायर हो गया। गोली की चपेट में आने से एएआईसीएलएएस के दो स्क्रीनर्स घायल हो गए। गोली चलने के बाद एयरपोर्ट परिसर में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दोनों घायलों को उपचार के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दे दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक घटना के बाद यह जांच की जा रही है कि हथियार से गोली किन परिस्थितियों में चली। हथियार यात्री के पास कैसे सुरक्षित तरीके से रखा गया था और जांच के दौरान फायर होने की वजह क्या रही, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां यात्री, हथियार और घटना की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही हैं।

विमल पान मसाला विज्ञापन मामले में एफडीए ने अजय देवगन, शाहरुख और टाइगर को भेजा नोटिस

नई दिल्ली: महाराष्ट्र में तंबाकू और पान मसाला उत्पादों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की कार्रवाई अब विज्ञापनों तक पहुंच गई है। विभाग ने बॉलीवुड के तीन बड़े चेहरों–अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ–को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मामला विमल इलायची के विज्ञापन से जुड़ा है। एफडीए को आशंका है कि इस विज्ञापन के जरिए प्रतिबंधित विमल पान मसाला का अप्रत्यक्ष या सरोगेट प्रचार किया जा रहा है। तीनों अभिनेता इस विज्ञापन में ब्रांड एंडोर्सर के तौर पर नजर आते हैं। महाराष्ट्र एफडीए ने उनसे यह बताने को कहा है कि विज्ञापन में उनकी क्या भूमिका रही और क्या उन्हें इस बात की जानकारी थी कि विज्ञापन की प्रस्तुति से विमल पान मसाला ब्रांड का प्रचार होने का संदेश जा सकता है।

एफडीए के मुताबिक, विज्ञापन को पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि इसमें विमल ब्रांड को प्रमोट किया जा रहा है। विभाग का तर्क है कि बाजार में विमल नाम की पहचान पान मसाला उत्पाद से भी जुड़ी हुई है और ऐसे में इलायची के नाम से किया गया प्रचार प्रतिबंधित उत्पाद के अप्रत्यक्ष प्रचार की श्रेणी में आ सकता है। नोटिस में एफडीए ने कहा है कि विज्ञापन का नाम, उसमें इस्तेमाल किए गए संवाद, उत्पाद को पेश करने का तरीका और बाजार में उस ब्रांड की पहचान–इन सभी पहलुओं को साथ रखकर देखने पर यह सवाल गंभीर हो जाता है कि कहीं यह प्रतिबंधित पान मसाला के लिए सरोगेट विज्ञापन तो नहीं है।

यानी मामला सिर्फ इस बात तक सीमित नहीं है कि विज्ञापन में इलायची दिखाई गई है। एफडीए यह जांचना चाहता है कि विज्ञापन का पूरा संदेश और ब्रांड की प्रस्तुति कहीं उपभोक्ताओं को किसी प्रतिबंधित उत्पाद की ओर अप्रत्यक्ष रूप से तो नहीं ले जाती। महाराष्ट्र में तंबाकू या निकोटीन वाले गुटखा और पान मसाला पर लंबे समय से प्रतिबंध है। राज्य में 2012 से ऐसे उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अब ऋछअ ने इसके प्रचार और विज्ञापन पर भी निगरानी बढ़ा दी है।

ब्लिंकिट स्टोर के फ्रीजर में दिखा चूहा, एफडीए ने क्विक कॉमर्स कंपनियों पर की सख्त कार्रवाई

मुंबई: महाराष्ट्र में क्विक-कॉमर्स के जरिए घर तक खाना और किराना पहुंचाने वाली कंपनियों की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। ठाणे के कल्याण स्थित गॉडरेज हिल इलाके में एक ब्लिंकिट स्टोर के आइसक्रीम फ्रीजर के अंदर कथित तौर पर चूहा दिखाई देने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच खाद्य सुरक्षा और स्टोर्स की साफ-सफाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि कुछ युवक आइसक्रीम खरीदने के लिए स्टोर पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर फ्रीजर के भीतर घूम रहे एक चूहे पर पड़ी। चूहा पैकेज्ड फूड प्रोडक्ट्स के आसपास दिखाई दे रहा था। युवकों ने तुरंत मोबाइल फोन से इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

वीडियो सामने आने के बाद मामला सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चर्चा में आ गया। लोगों ने महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन से इस मामले की जांच और जरूरी कार्रवाई करने की मांग की है। चूहे से जुड़ा यह कथित मामला ऐसे समय सामने आया है जब महाराष्ट्र एफआईआर पहले ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए खाद्य पदार्थों के स्टोरेज, बिक्री और डिलीवरी करने वाली इकाइयों की राज्यव्यापी जांच कर चुका है। कुल 86 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान एफडीए ने 60 सुधार नोटिस जारी किए, जबकि एक प्रतिष्ठान में कारोबार अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया गया। सबसे अहम बात यह रही कि 14 फूड बिजनेस प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। हालांकि, इस अभियान के दौरान किसी भी लाइसेंस को पूरी तरह रद्द नहीं किया गया।

एफडीए के मुताबिक जहां गंभीर स्तर पर नियमों का उल्लंघन मिला, वहां लाइसेंस निलंबित करने जैसी कार्रवाई की गई। मुंबई के मालाड वेस्ट स्थित एक मॉल सुविधा में भी कई गंभीर कमियां सामने आईं। जांच के दौरान चिलर रूम का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस पाया गया, जिसे निर्धारित मानक से अधिक बताया गया। इसके अलावा करीब 40 फूड हैंडलर्स का मेडिकल परीक्षण नहीं हुआ था और इससे जुड़े रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे। कई कर्मचारी बिना हेडगियर, एप्रन और दस्ताने के काम करते मिले। स्टोरेज एरिया में सामान व्यवस्थित तरीके से नहीं रखा गया था। कुछ रैक क्षतिग्रस्त या जंग लगे हुए पाए गए।

इसके अलावा शाकाहारी, मांसाहारी, पका हुआ खाना और डेयरी उत्पादों को अलग-अलग रखने की व्यवस्था में भी कमी पाई गई। एफडीए ने कर्मचारियों की ट्रेनिंग और फूड सेफ्टी सुपरविजन से जुड़े पहलुओं पर भी सवाल उठाए। मुंबई के घाटकोपर स्थित एक अन्य ब्लिंकट सुविधा में भी स्थिति बेहतर नहीं मिली। यहां ड्रेनेज और कचरा निपटाने की व्यवस्था में कमी सामने आई। फ्रोजन फूड के लिए जरूरी तापमान नियंत्रण भी संतोषजनक नहीं था। खुले खाद्य पदार्थों के स्टोरेज वाले हिस्से में लाइटिंग फिक्स्चर सुरक्षित तरीके से कवर नहीं थे। हाउसकीपिंग की स्थिति भी खराब पाई गई। एफडीए की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सुविधा को कुल 74 में से 34 अंक, यानी करीब 46 प्रतिशत मिले और इसे नियमों के लिहाज से गैर-अनुपालन वाली सुविधा माना गया।

पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के शीर्ष नेता स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि (16 अगस्त) पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री ने उन्हें एक असाधारण राजनेता और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि देश के विकास और सुशासन में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे एक असाधारण राजनेता थे जिनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी तथा उन्होंने अपना

जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

बता दें कि वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और उन्होंने 16 अगस्त 2018 को नयी दिल्ली में अंतिम सांस ली। वह प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय जनता पार्टी के पहले नेता थे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। वह एक असाधारण राजनेता थे, जिनकी दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने अपना जीवन हमारे राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी के शब्दों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने देश को मजबूत किया। उन्होंने कहा, सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्श राजनीति के शिखर पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने ओजस्वी चिंतन, मर्यादित आचरण और कर्मनिष्ठ जीवन से भारतीय लोकतंत्र में शुचिता, राजनीति में नैतिकता और राष्ट्रसेवा के उच्च आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि वाजपेयी का संपूर्ण जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत उदाहरण है।

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी का वो सख्त आदेश एनएसए डोभाल ने खोला ऑपरेशन सिंदूर का बड़ा राज

नई दिल्ली : भारत के दुश्मनों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न छिपे हों। डिस्कवरी की नई डॉक्युसीरीज डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने एक ऐसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला खुलासा किया है। डोभाल ने विस्तार से बताया है कि पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किस तरह कमान संभाली और आर्तकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने के लिए क्या सख्त निर्देश दिए थे। इस खुलासे ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि देश की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारत घर में घुसकर मारेगा।

सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के वो तीखे सवालः जिस वक्त पहलगाम में आतंकियों ने खूनी खेल खेला, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। एनएसए डोभाल ने उस रात को याद करते

हुए बताया कि पीएम मोदी जैसे ही स्वदेश लौटे, विदेश सचिव उन्हें रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। समय की नजाकत को देखते हुए एयरपोर्ट पर ही एक उच्च स्तरीय आपात बैठक हुई। प्रधानमंत्री ने बिना समय गंवाए सबसे पहला सवाल दागा, ह्लयह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमें बिल्कुल साफ पता होना चाहिए कि हमलावर कौन हैं। मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए।

नर्क में भी छिपे हों तो ढूंढ निकालेंगे : एनएसए ने डॉक्युसीरीज में पीएम मोदी के उस कड़े निर्देश का जिक्र किया, जिसने पूरी कार्रवाई की रूपरेखा तय कर दी थी। डोभाल के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा था कि भारत उन लोगों के पीछे जाएगा जो इन निदोर्षों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने साफ निर्देश दिया कि आतंकी चाहे जमीन पर हों, आसमान में हों या फिर नर्क में, हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे। डोभाल ने स्पष्ट किया कि जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, तो उसका सीधा सा मतलब है कि आतंकवाद के खिलाफ यह महासंग्राम तब तक नहीं रुकेगा, जब तक आखिरी आतंकी का खात्मा नहीं हो जाता।

खुफिया एजेंसियों का सटीक काम और ऑपरेशन सिंदूर का विध्वंसक प्रहारः अजीत डोभाल ने इस पूरे ऑपरेशन की सफलता का बड़ा श्रेय भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों को दिया। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने बेहतरीन काम किया, जिसकी बदौलत बेहद कम समय में हम सटीक नतीजे पर पहुंच सके और हमलावरों की पहचान हो सकी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने एक कायराना हमले में 26 बेगुनाह नागरिकों की जान ले ली थी। इस शर्मनाक हरकत का हिसाब चुकता करने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इस ऑपरेशन का एकमात्र मकसद दुश्मनों के उन कैंपों को नेस्तनाबूद करना था जो इस हमले के लिए जिम्मेदार थे। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर विनाशकारी और सटीक हमले किए गए। डोभाल ने कड़े शब्दों में कहा कि भारत की संप्रभुता की रक्षा की लड़ाई में अब हमारे लिए कोई सीमा नहीं है।

जिम्बाब्वे नाव हादसे का खुला राजः 26 और शव बरामद, मरने वालों का आंकड़ा 70 के पार

नई दिल्ली: जिम्बाब्वे की करीबा झील से 26 और शव बरामद किए गए हैं, जिससे नौका हादसे में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे शामिल हैं। उसने बताया कि तेज लहरों के कारण मंगलवार को नौका पलट गई थी तथा 26 और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। पुरानी हो चुकी यह नौका करीबा शहर से देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित

ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी। इन इलाकों में सड़कें क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं।

प्राधिकारियों ने यह नहीं बताया कि नौका में कितने लोग सवार थे या कितने लोग अब भी लापता हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया है। प्राधिकारियों ने शुरूआत में कहा था कि नौका में सवार बच्चों की संख्या की सटीक जानकारी नहीं है क्योंकि टिकट के लिए निर्धारित उम्र से कम आयु के बच्चों को यात्रियों की अनुमानित संख्या में शामिल नहीं किया गया था। बाद में पुलिस की ओर से जारी सूची से जानकारी मिली कि मृत बच्चों में से 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी और इनमें सबसे छोटा बच्चा एक वर्ष का था।

शारोन सुरिन
जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस खूंटी

सुमित पाठक
जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार पूर्व सांसद प्रतिनिधि खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार

पूर्व सासंद प्रतिनिधि खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

केदार महतो

अधिवक्ता, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुश्री ज्योति कुमारी

(झा0 प्र0 से0)
प्रखंड विकास पदाधिकारी, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

करमवीर महतो

जिला संयोजक
बजरंग दल, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

काशीनाथ महतो

पूर्व जिला अध्यक्ष
बीजेपी, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

खुशबू तिर्की

खूंटी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

दीपक सिंह

अक्षत फर्नीचर, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश कुमार महतो

वार्ड पार्षद
नगर पंचायत खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जयकांत कश्यप

जिला अध्यक्ष
आजसू पार्टी, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मण महतो

समाज सेवी
सह किशन खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

भूपेन्द्र कंसारी

अल्मा मेटर संस्था के सचिव

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बालमुकुंद कश्यप

समाजसेवी
सह मुख्य ट्रस्टी गायत्री परिवार खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण संगा

एआईसीसी सदस्य सह पूर्व
जिला अध्यक्ष, युवा कांग्रेस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मण महतो

समाज सेवी
सह किशन खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आमिर हुसैन

जिला अध्यक्ष
युवा कांग्रेस खूंटी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आनन्द कुमार राम

जिला अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी (खूंटी)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण साबू

उप प्रमुख मुरहू

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी बाखला

समाज सेवी, खूंटी